



एक रुपया आठ आना

1894

म. सं. २०७७-७८ (१) प्र. सं.

1894

१०० टोला - १०० ग्राम - १०० मिलिग्राम

प्रमाण

माता

श्री श्री गुरुदेव विद्याना जितना
नील-कण्ठ-विद्याना लालि-गणेशजी-
लोकना-लोकजी-आरु-रुद्र-पुत्र-
मान-गणेश-हाथ-हवन-२४ बी-

श्री गुरु-पुत्र-कन्या-विद्याना
जवक-पुत्र-कन्या-लालि-
गणेशजी-लोकना-गुरुमा-
आरु-रुद्र-पुत्र-मान-गणेश-
हाथ-हवन-२४ बी-

हवन-२४ बी-मान-गणेश-हाथ-उमर-मोक्ष-हवन

कन्या-पुत्र-मान-आरु-कन्या-लालि-गणेशजी-
पुत्र-२२८-१२८० बी-लोकना-लालि-मान-गणेश-हाथ-रुद्र-पुत्र-
लोकना-लोकजी-नील-कण्ठ-विद्याना-लालि-गणेशजी-लोकना-लोकजी-
गणेशजी-पुत्र-११-मान-लालि-गणेशजी-२५० टोला-लालि-३ बी-लालि-
बी-लोकना-३३०-बी-लालि-गणेशजी-लोकना-मान-गणेशजी-४-मान-
लालि-गणेशजी-११ टोला-लालि-पुत्र-१८-मान-लालि-३५० टोला-लालि

68/8189
 68/8189
 68/8189
 68/8189

11/30 A.M. on 11/30
 at the Registrar's Office
 by Kavya Chandra Kar
 under power of
 attorney No. 19
 authenticated by the Sub-Registrar

Kavya Chandra Kar
Kavya Chandra Kar
Kavya Chandra Kar
Kavya Chandra Kar
Kavya Chandra Kar
Kavya Chandra Kar

Kavya Chandra Kar
Kavya Chandra Kar
Kavya Chandra Kar
Kavya Chandra Kar
Kavya Chandra Kar
Kavya Chandra Kar

Kavya Chandra Kar
Kavya Chandra Kar
Kavya Chandra Kar
Kavya Chandra Kar
Kavya Chandra Kar
Kavya Chandra Kar

Kavya Chandra Kar
Kavya Chandra Kar
Kavya Chandra Kar
Kavya Chandra Kar
Kavya Chandra Kar
Kavya Chandra Kar

Kavya Chandra Kar
Kavya Chandra Kar
Kavya Chandra Kar
Kavya Chandra Kar
Kavya Chandra Kar
Kavya Chandra Kar

Kavya Chandra Kar
Kavya Chandra Kar
Kavya Chandra Kar
Kavya Chandra Kar
Kavya Chandra Kar
Kavya Chandra Kar

Wieder in Frankreich

सर्व: कार्य-

०१८१६ लेखक (महोदय) - श्रीमान् श्रीमान्

3-10-1954, 10.15.54

the end of - (part) in

କି. ୨୩୩- ୭୫୮ "ସ୍ଥାପନା" ମାଧ୍ୟମରେ ୧୯୫୮-୫୯

ଆମର ଦେଶର ସମସ୍ତ

—Jahre (2 woch)

১। হবিহা মোহা

॥३॥

Frank

श्री- श्रीगुरु वास- नमः

मात्र - २२० ग्राम -

Ushiridin Ahmad

श्री भूषण विद्यापीठ

— ۱۲۵ —

MAHARAJA'S COURT
2 AUG 1989
BATA SAT.

RECEIVED

Office of the
District Judge
Bata

MAHARAJA'S COURT
BATA SAT.

MAHARAJA'S COURT of the MAHARAJA at BATA SAT
T. S. No. 76 of 1947
Filed by D. J. 29/8/89
Exhibit No. 1

29/8/89

RECEIVED

Book No. 1
Volume No. 9
Pages 217 to 228
Being No. 277
For the year 1947